gkE;ksiSfFkd fpfdRlk i)fr esa izek.k i=	**dk;Øe dksM % lh,p,e,l**
Certificate in Homeopathic Medicinal System	**Programme Code : CHMS**

mís'; (Objectives)

– शहरी एवं ग्रामीण इलाकों में सामान्य बीमारियों की चिकित्सा की दृष्टि से गाँवों को आत्म निर्भर बनाना।
– छात्रों को होम्योपैथिक चिकित्सा के बारे में जानकारी देना।
– होम्योपैथी शिक्षा प्राप्त करने के लिए इच्छुक एन.जी.ओ. गृहणियों तथा आयुर्वेदिक व एलोपेथिक चिकित्सकों को होम्योपैथिक चिकित्सा की जानकारी देना।

ukV % bl dk;Øe dk mís'; gkE;ksiSfFkd fpfdRld r;kj djuk ugha gSA

ços”k ;kX;rk (Admission Eligibility) :

किसी मान्यता प्राप्त बोड से 10+2 परीक्षा उत्तीर्ण अथवा समकक्ष अथवा सैकण्ड्री परीक्षा उत्तीर्ण एवं तीन वर्ष का चिकित्सा के क्षेत्र में कार्य अनुभव अथवा 45 वर्ष की आयु के सैकण्ड्री पास व्यक्ति अथवा पंजीकृत चिकित्सकीय कार्यरत व्यक्ति।

vof/k (Duration) : न्यूनतम छः माह ; अधिकतम 2 वर्ष

ek/;e (Medium) : हिन्दी

J;kd (Credit) : 16 प्रत्येक पाठ्यक्रम 4 श्रेयांक का है।

“kYd (Fee) : रू.1500/– (एक हजार पॉच सौ रूपये मात्र,आवेदन पत्र के साथ देयं)

dk;Øe lajpuk (Programme Structure) :

इस कार्यक्रम में कुल 3 सैद्धांतिक पाठ्यक्रम व 1 प्रायोगिक पाठ्यक्रम हैं :

Ø-l- (S.No.)	ikB;Øe dk uke (Name of Course)	ikB;Øe dksM (Course Code)	J;kd (Credits)
1	शारीरिक संरचना, कार्य पद्धति रोग कारण एवं निवारण	सीएचएमएस–01	4
2	होम्योपैथिक चिकित्सा सिद्धान्त एवं औषधि निर्माण प्रक्रिया	सीएचएमएस–02	4
3	रेपरट्राइजेशन, मेटेरियामेडिका एवं थेराप्यूटिक्स	सीएचएमएस–03	4
4	प्रायोगिक ज्ञान	सीएचएमएस–04	4

ijh{kk i)fr (Examination Pattern) :

न्यूनतम अवधि समाप्त होने के बाद विद्यार्थी को एक लिखित सत्रांत (मुख्य) परीक्षा में सम्मिलित होना होगा। मुख्य परीक्षा 100 अंकों की होगी एवं प्रत्येक प्रश्न पत्र तीन घण्टे का होगा। उत्तीर्ण होने के लिए कम से कम 36 प्रतिशत अंक लाना होगा।

सफल विद्यार्थियों को निम्नानुसार श्रेणी प्रदान की जाएगी –

प्रथम श्रेणी	–	60 प्रतिशत एवं अधिक
द्वितीय श्रेणी	–	48 प्रतिशत या अधिक एवं 60 प्रतिशत से कम
उत्तीर्ण	–	36 प्रतिशत या अधिक एवं 48 प्रतिशत से कम